www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 'भजन-राज' यानी 'भरोसे के शासन' में...

3 नगरपालिका राजौंद ने लागू किए पर्यावरण संरक्षण से...

4 आने वाली फिल्म के जरिए संवेदनशील मुद्दों को...

वर्ष: 10 | अंक: 84 | दिल्ली, शुक्रवार, 16 जनवरी 2026 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

भारत की परंपरा ज्ञान की परंपरा है-दत्तात्रेय होसबाले जी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले जी ने गुरुवार को भारतमंडपम में चल रहे विश्व पुस्तक मेले में मंत्र-विप्लव पुस्तक का लोकार्पण किया। तरुण विजय द्वारा लिखित एवं प्रभात प्रकाशन द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक के विमोचन समारोह में राज्यसभा सांसद डॉ सुधांशु त्रिवेदी, पुस्तक के लेखक तरुण विजय तथा प्रभात प्रकाशन के चेयरमैन प्रभात कुमार भी उपस्थित थे। इस पुस्तक लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए श्री दत्तात्रेय होसबाले जी ने कहा कि भारत की परंपरा ज्ञान की परंपरा है। इसी से यश, वैभव सभी की प्राप्ति हुई। अपने पूर्वजों को इस विषय पर स्पष्टता थी। उन्होंने कहा ज्ञान व्यक्ति को सही दिशा में ले जाता है। ज्ञान के साथ भक्ति की भी आवश्यकता होती है क्योंकि बिना भक्ति के ज्ञान से अहंकार आ जाता है। उन्होंने बताया कि महर्षि अरविन्दो ने स्वतंत्र भारत में तीन कार्य करने की आवश्यकता बताई थी। पहला, अपने देश की प्राचीन ज्ञान परंपरा जो बिखरे पड़े है उसको इकत्र करना चाहिए। दूसरा, उसको आज के समय के अनुरूप जीवन उपयोगी तथा मानव उपयोगी बनाना होगा। तथा तीसरा, नए ज्ञान सृजन भी करना है। सरकार्यवाह जी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा के शब्दों के बारे में अभी बहुत अध्ययन होना बाकी है।

पुंछ और सांबा में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास ड्रोन देखे गए

जम्मू कश्मीर (एजेन्सी)। जम्मू कश्मीर के पुंछ और सांबा जिलों में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास पड़ोसी देश के ड्रोन मंडराते हुए देखे गए, जिसके बाद सुरक्षा बलों ने बृहस्पतिवार रात प्रभावी ढंग से जवाब देने के लिए अपनी ड्रोन रोधी प्रणाली (यूएएस) को सक्रिय कर दिया। सूत्रों ने बताया कि ड्रोन, पुंछ में नियंत्रण रेखा (एलओसी) और सांबा जिले के रामगढ़ सेक्टर के पास मंडराते हुए देखे गए। सूत्रों के अनुसार, पुंछ में नियंत्रण रेखा के पास चौकियों के नजदीक एक ड्रोन देखा गया, जिसके बाद सुरक्षा बलों ने ड्रोन रोधी प्रणाली का उपयोग किया। इसी तरह रामगढ़ सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास भी एक और ड्रोन देखा गया। इस बीच, पाकिस्तान के साथ सीमा पर सेना हाई अलर्ट पर है। राजौरी जिले में मंगलवार रात एलओसी के उस पार से भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने वाले कई संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोनों को रोकने के लिए सेना के जवानों ने गोलीबारी की।

प्रधानमंत्री ने संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में राष्ट्रमंडल देशों के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन का किया उद्घाटन

भारत में लोकतंत्र का अर्थ है अंतिम व्यक्ति तक सेवाएं पहुंचाना: प्रधानमंत्री मोदी

संजना भारती/पीआईबी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली स्थित संसद भवन परिसर में संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में राष्ट्रमंडल देशों के लोकसभा अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन (सीएसपीओसी) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर श्री मोदी ने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में अध्यक्ष की भूमिका अद्वितीय होती है। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष को बोलने का अधिक अवसर नहीं मिलता, लेकिन उनकी जिम्मेदारी दूसरों की बात सुनने और यह सुनिश्चित करने में निहित है कि सभी को अपनी बात कहने का मौका मिले। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि धैर्य अध्यक्षों का सबसे आम गुण है, जो शोर मचाने वाले और अति उत्साही सांसदों को भी मुस्कुराते हुए संभाल लेते हैं। इस विशेष अवसर पर अतिथियों का हार्दिक स्वागत करते हुए श्री मोदी ने उनकी उपस्थिति पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आप जिस स्थान पर बैठे हैं, वह भारत की लोकतांत्रिक यात्रा में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने याद दिलाया कि औपनिवेशिक शासन के अंतिम वर्षों में, जब भारत की स्वतंत्रता निश्चित थी, संविधान सभा ने इसी केंद्रीय कक्ष में संविधान का मसौदा तैयार किया था। प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि स्वतंत्रता के बाद 75 वर्षों तक, यह भवन भारत की संसद के रूप में कार्य करता रहा, जहां राष्ट्र के भविष्य को आकार देने वाले कई महत्वपूर्ण निर्णय और चर्चाएं हुईं। श्री मोदी ने बताया कि देश ने अब इस ऐतिहासिक स्थल को संविधान सदन नाम देकर लोकतंत्र को समर्पित कर दिया है। उन्होंने कहा कि हाल ही में देश ने अपने संविधान के कार्यान्वयन के 75 वर्ष पूरे किए हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि संविधान सदन में सभी विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति भारत के लोकतंत्र के लिए एक अत्यंत विशेष क्षण है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि राष्ट्रमंडल देशों के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों का यह सम्मेलन चौथी बार भारत में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने इस सम्मेलन के मुख्य विषय 'संसदीय लोकतंत्र का प्रभावी क्रियान्वयन' पर प्रकाश डाला। श्री मोदी ने याद दिलाया कि जब भारत को आजादी मिली थी, तब यह आशंका व्यक्त की गई थी कि इतनी विविधता वाले देश में लोकतंत्र टिक नहीं पाएगा। उन्होंने कहा कि भारत ने इसी विविधता को अपने लोकतंत्र की ताकत बना लिया है। उन्होंने आगे कहा कि एक और बड़ी चिंता यह थी कि यदि किसी तरह भारत में लोकतंत्र कायम भी रह जाए, तो विकास संभव नहीं होगा। प्रधानमंत्री ने जोर देते हुए कहा, "भारत ने यह सिद्ध कर दिया है कि लोकतांत्रिक संस्थाएं और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं लोकतंत्र को स्थायित्व, गति और व्यापकता प्रदान करती हैं।" उन्होंने बताया कि आज भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है, भारत में यूपीआई के माध्यम से विश्व की सबसे बड़ी डिजिटल भुगतान प्रणाली है, भारत सबसे बड़ा वैक्सीन उत्पादक, दूसरा सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक, तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप परितंत्र, तीसरा सबसे बड़ा विमानन बाजार, चौथा सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क, तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो रेल नेटवर्क, सबसे बड़ा दूध उत्पादक और दूसरा सबसे बड़ा चावल उत्पादक देश है।

आज के एनसीसी कैडेट्स ही कल के राष्ट्रनायक हैं: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

मुख्यमंत्री ने एनसीसी कैडेट्स के लिए बेहतर सुविधाओं उपलब्ध कराने का दिया आश्वासन

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को भारतीय सेना दिवस के मौके पर दिल्ली कैंट के करिअप्पा परेड ग्राउंड में आयोजित एनसीसी रिपब्लिक डे कैंप 2026 का दौरा किया। इस दौरान उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने एनसीसी कैडेट्स की मार्च-पास्ट, ब्रास बैंड और एक साथ मिलकर भारत की एकता को दिखाते हैं। यही 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की सच्ची झलक है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर हॉल ऑफ फेम का दौरा कर एनसीसी के इतिहास, प्रशिक्षण प्रणाली एवं उपलब्धियों की जानकारी ली। साथ ही, युवा आपदा मित्र योजना और ड्रोन प्रशिक्षण प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने देशभर से आए एनसीसी कैडेट्स से संवाद किया और उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर एनसीसी के डायरेक्टर जनरल (डीजी) लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स, वरिष्ठ एनसीसी अधिकारी सहित देशभर से आए एनसीसी कैडेट्स उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने एनसीसी कैडेट्स की एकजुटता, जोश, अनुशासन और देशभक्ति की भावना की सराहना करते हुए कहा कि आज का दिन उनके जीवन के सबसे सुखद अनुभवों में से एक है। कैडेट्स की प्रस्तुतियां, लहराता तिरंगा और कदम से कदम मिलाकर चलता मार्च-पास्ट ऐसा प्रतीत कराते हैं जैसे देश की धड़कन प्रत्यक्ष सुनाई दे रही हो। मुख्यमंत्री ने एनसीसी की प्रशिक्षण प्रणाली की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह युवाओं को आपदा प्रबंधन, नेतृत्व, राष्ट्रसेवा और जिम्मेदार नागरिकता के लिए तैयार करती है।

मुख्यमंत्री ने एनसीसी के मूल मंत्र 'एकता और अनुशासन' को युवाओं में राष्ट्रभक्ति, विविधता में एकता और संवैधानिक मूल्यों का आधार बताया। उन्होंने कैडेट्स को राष्ट्र के भविष्य का नेतृत्वकर्ता बताते हुए विश्वास जताया कि वे जीवनभर देशसेवा के संकल्प के साथ आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि आज के एनसीसी कैडेट्स ही कल के राष्ट्रनायक हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों में देश का नेतृत्व करेंगे और हमेशा मातृभूमि की सेवा में समर्पित रहेंगे।

हरियाणा का आगामी बजट 2.80 करोड़ लोगों की आकांक्षाओं का होगा प्रतिबिंब: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

गांव और शहर के संतुलित विकास से ही प्रदेश आगे बढ़ेगा: मुख्यमंत्री

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि प्रदेश का आगामी बजट केवल सरकारी आंकड़ों तक सीमित नहीं होगा, बल्कि यह हरियाणा के 2.80 करोड़ नागरिकों की आशाओं, आवश्यकताओं और सुझावों पर आधारित होगा। मुख्यमंत्री वीरवार को गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के सभागार में आयोजित पंचायत एवं नगर निकाय जनप्रतिनिधियों के बजट-पूर्व परामर्श कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सरकार जनभागीदारी को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है और इसी सोच के तहत आगामी दस दिनों तक पंचायत प्रतिनिधि, नगर निकाय सदस्य एवं आम नागरिक विभिन्न माध्यमों, विशेषकर चैट-बॉट के माध्यम से अपने सुझाव भेज सकते हैं, जिन्हें आगामी बजट में सम्मिलित किया

जाएगा। उन्होंने कहा कि जन प्रतिनिधियों की प्रधानमंत्री के देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प में महत्वपूर्ण जिम्मेवारी है। हरियाणा सरकार द्वारा इस बारे में विजन डॉक्यूमेंट लांच किया गया है जिसे धरातल पर उतारने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गांव लोकतंत्र की सबसे मजबूत नींव होते हैं और सरपंच गांव की पहली आवाज होते हैं। गांवों के संतुलित विकास में सरपंचों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रदेश का समग्र विकास तभी संभव है, जब गांव और शहर दोनों समान गति से आगे बढ़ें। सरकार इस संतुलित विकास के लक्ष्य को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि बजट 2025-26 में पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास के लिए 7,616 करोड़ 52 लाख रुपये का प्रावधान किया गया था, जिसमें से अब तक 2,808 करोड़ 72 लाख रुपये की राशि खर्च की जा चुकी है। इस बजट के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में फिरनियों का निर्माण, महिला चौपालों की स्थापना, ई-लाइब्रेरी, इंडोर जिम, अमृत सरोवर, ठोस कचरा प्रबंधन सहित अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की गई हैं। उन्होंने बताया कि पंचायतों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए समय पर अनुदान, ई-ग्राम स्वराज पोर्टल के माध्यम से पारदर्शिता और ऑनलाइन निगरानी व्यवस्था लागू की गई है। ग्राम पंचायतों द्वारा करवाए जाने वाले विकास कार्यों की सीमा बढ़ाकर 21 लाख रुपये कर दी गई है। इसके साथ-साथ पंचायती राज संस्थाओं में ओबीसी-बी वर्ग को 5 प्रतिशत आरक्षण भी प्रदान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा एक साल में ग्राम सभाए आयोजित करने को अनिवार्य किया गया है। सरपंच इन ग्राम सभाओं में गावों के चालीस प्रतिशत लोगो को शामिल करके विकास कार्यो पर चर्चा करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के 13 जिलों में ऐसी ग्राम सभाए आयोजित की जा चुकी है। यह निर्णय सरपंचों और गांव के हित के लिए लिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शहर किसी भी राज्य के विकास के इंजन होते हैं। तेजी से बढ़ता शहरीकरण, बदलती जीवनशैली और नागरिकों की बढ़ती अपेक्षाएं शहरी स्थानीय निकायों की भूमिका को और अधिक महत्वपूर्ण बनाती हैं।

'प्रशासन गांव की ओर' कार्यक्रम के तहत जिलाधिकारी पहुंचे मंसूरचक

एसबी संवाददाता

मंसूरचक/बेगूसराय। प्रशासन गांव की ओर कार्यक्रम के तहत जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री ने गुरुवार को प्रखंड सह अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया। जहां पदाधिकारियों ने उन्हें बुके देकर सम्मानित किया। उसके बाद जन सुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां जनप्रतिनिधियों एवं आम लोगों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन जिलाधिकारी को दिया।

जिलाधिकारी ने तत्काल संबंधित अधिकारी को आवेदनों पर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया जहां जिलाधिकारी ने अधिकारियों को अपने-अपने विभागों की योजनाओं की समीक्षा करने का निर्देश दिया उसके बाद सभी विभागों के योजनाओं की समीक्षा की गई जिलाधिकारी ने आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन स्वास्थ्य विभाग, आईसीडीएस सामाजिक सुरक्षा योजना, सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की वहीं लोगों ने 7 निश्चय पार्ट 3 सहित विभिन्न मुद्दों पर परिचर्चा किया। करीब दो घंटे तक चली बैठक में जिलाधिकारी ने लोगों से रुबरु हुए। वही बैठक में उपस्थित अधिकारी को इससे निजात पाने का निर्देश दिया। बैठक में आम लोगों ने जिलाधिकारी से अपनी अपनी बातें को उनके समक्ष रखा। मंसूरचक प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों के मुखिया ने भी

जिलाधिकारी के सामने अपनी बातें रखी। उक्त मौके पर जिलाधिकारी ने कहा कि जनता कि समस्याओं से निजात दिलाने के लिए हम तत्पर है। जिलाधिकारी ने आम लोगों से कहा कि जो भी समस्या है उसे प्रशासन के समक्ष बेहिचक कहिए हम उसके निपटारे के लिए पूरी प्रयास करेंगे।

मौके पर प्रखंड प्रमुख जलस देवी, एसडीएम राकेश कुमार, सिविल सर्जन अशोक कुमार, भूमि सुधार उपसमाहर्ता मनकेश्वर कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी रागनी कुमारी, अंचलाधिकारी सुजीत कुमार सुधन, सीडीपीओ, मो. महताब ग्यास, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सुनील कुमार राय, प्रखंड नाजिर अमित कुमार झा, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी तेघड़ा विजय कुमार सिंह, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी विनय कुमार, प्रखंड उद्यान पदाधिकारी जयप्रकाश मिश्रा, श्रम प्रबर्तन पदाधिकारी मुन्ना कुमार, प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी अवधेश कुमार, मनरेगा पीओ दीपू कुमार, कृषि पदाधिकारी विकास कुमार, कनीय विद्युत अभियंता हर्ष कुमार मौर्य, पंचायती राज पदाधिकारी किरण मंडल, समसा दो पंचायत के मुखिया इजहार अंसारी, समसा एक पंचायत मुखिया डॉ. दिनेश कुमार राय, साठा पंचायत मुखिया नासरीन खातून, मंसूरचक मुखिया यासमीन खातून, गणपतौल मुखिया हीरा कुमारी, अरमान कुरैशी, बहरामपुर मुखिया धर्मवीर सिंह कुंदन, राजाराम पासवान, उप प्रमुख रंजीत कुमार सिंह, चंद्रहास सिंह, रौशन लाल सहित अन्य मौजूद थे।

खिचड़ी महापर्व: गोरखनाथ मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

बाबा का खप्पर भरने को श्रद्धा की अंजुरी में आस्था की खिचड़ी लेकर उमड़े लाखों श्रद्धालु

संजना भारती संवाददाता

गोरखपुर। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार ब्रह्म मुहूर्त में चार बजे शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ को नाथपंथ की विशिष्ट परंपरा के अनुसार आस्था की पवित्र खिचड़ी चढ़ाई और लोकमंगल की कामना की। सीएम योगी के बाद नाथ योगियों, साधु संतों ने भी बाबा गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाकर पूजा अर्चना की। इसके साथ मंदिर के गर्भगृह कपाट को आमजन के लिए खोल दिया गया। खिचड़ी चढ़ाने के लिए मंदिर में आस्था का सैलाब नजर आया।

गोरखनाथ मंदिर में लाखों की संख्या में श्रद्धालु महायोगी गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाने के लिए पहुंचे। लोक मान्यता के अनुसार त्रेतायुग से बाबा गोरखनाथ का खप्पर भरने की परंपरा का अनुसरण करते हुए श्रद्धा की अंजुरी में आस्था की खिचड़ी लेकर श्रद्धालु नतमस्तक रहे। महायोगी गोरखनाथ को नेपाल राजपरिवार की तरफ से भेजी गई खिचड़ी भी श्रद्धापूर्वक अर्पित की गई। खिचड़ी चढ़ाने के बाद श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में लगे विशाल मेले का भ्रमण कर आनंद उठाया। मनोरंजन के साथ जरूरी वस्तुओं की जमकर खरीदारी की।

मकर संक्रांति पर गुरुवार को भोर में गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने नाथपंथ की परंपरा के अनुसार गोरखनाथ मंदिर के गर्भगृह में जमीन पर बैठ कर, सीटी बजाकर गुरु गोरखनाथ को प्रणाम कर आदेश लिया। फिर विधिविधान से पूजन कर गोरक्षपीठ की ओर से श्रीनाथ जी को खिचड़ी (चावल, दाल, तिल, सब्जी, हल्दी, नमक आदि) चढ़ाई। इसके बाद उन्होंने मुख्य मंदिर में स्थापित अन्य देव विग्रहों की पूजा की। फिर योगिराज बाबा गंभीरनाथ, अपने दादागुरु महंत दिग्विजयनाथ, गुरुदेव महंत अवेद्यनाथ, नौमीनाथ व अन्य नाथ योगियों की प्रतिमाओं समक्ष शीश नवाकर खिचड़ी भोग अर्पित किया। सीएम योगी द्वारा बाबा गोरखनाथ को खिचड़ी भोग अर्पित करने के बाद सुख समृद्धि की मंगलकामना लेकर उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली समेत अन्य राज्यों और पड़ोसी

देश नेपाल से आए श्रद्धालुओं ने भी कतारबद्ध होकर महायोगी गोरखनाथ को श्रद्धा की खिचड़ी चढ़ाई।

महायोगी गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाने का सिलसिला लगातार चलता रहा। पूरे दिन भक्तों की कतार नहीं टूटी। दोपहर बाद तक गोरखनाथ मंदिर आने वाले सभी रास्तों पर श्रद्धालुओं का रेला दिख रहा था। खिचड़ी चढ़ाने के बाद श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में स्थित सभी देवी देवताओं के विग्रहों का पूजन कर ब्रह्मलीन महंत बाबा गंभीरनाथ, ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ एवं ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि पर माथा टेक आशीर्वाद भी लिया। पूरा दिन मंदिर परिसर गुरु गोरखनाथ की जय जयकार से गूंजता रहा। इस दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधा को लेकर मंदिर व जिला प्रशासन की ओर से समुचित प्रबंध किए गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद सभी व्यवस्थाओं पर नजर बनाए हुए थे।

गोरखनाथ मंदिर का खिचड़ी मेला लोक श्रद्धाभाव के साथ सामाजिक समरसता का भी मेला है। हर वर्ग के लोग नंगे पांव कतारबद्ध होकर बारी बारी भगवान गोरखनाथ को आस्था की पवित्र खिचड़ी चढ़ा रहे थे। कोई मुठ्ठी भर श्रद्धा का चावल लेकर आ रहा था तो कोई झोली भर। पर, महायोगी के प्रति भाव सभी का एक समान था। न जाति का बंधन था, न धर्म का। बुधवार को भी लाखों श्रद्धालुओं ने खिचड़ी चढ़ाई थी। गुरुवार को यह संख्या और बढ़ गई। भोर में तीन बजे ही श्रद्धालुओं की लंबी कतार मंदिर परिसर से बाहर सड़क तक लग गई थी। अलग-अलग गेट और बैरिकेडिंग से श्रद्धालुओं की भीड़ को संभाला जा रहा था।

किसान की शिकायत पर एसडीएम प्रदीप कुमार ने किया सड़क का निरीक्षण

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। करनाल-कैथल रोड से गांव ब्रास तक प्रस्तावित सड़क को दूसरे स्थान से बनवाने संबंधी किसान की शिकायत पर एसडीएम प्रदीप कुमार ने बुधवार को मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पंचायती राज विभाग के कार्यकारी अभियंता को मामले में नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

ब्रास गांव निवासी किसान कृष्ण चंद ने एसडीएम को दी शिकायत में बताया कि करनाल-कैथल रोड से गांव तक बनी पुरानी सड़क को दूसरे स्थान से बनाया जाना प्रस्तावित है, जिसकी लंबाई लगभग तीन किलोमीटर है। इसके लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा वर्ष 2022 में निशानदेही की गई थी। इसके बाद 12 सितंबर 2025 को दोबारा निशानदेही की गई। किसान ने बताया कि प्रस्तावित नई सड़क के लिए उसने अपनी भूमि पहले ही खाली छोड़ रखी है, लेकिन साथ

लगते खेत के दूसरे किसान द्वारा अभी तक सड़क निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध नहीं करवाई जा रही है, जिसके कारण निर्माण कार्य में बाधा आ रही है। उन्होंने मांग की कि पुरानी सड़क के स्थान पर नई सड़क का निर्माण शीघ्र करवाया जाए तथा इसमें आ रही अड़चनों को तुरंत दूर किया जाए। उन्होंने यह भी बताया कि चकबंदी के समय ही सड़क के लिए भूमि छोड़ी गई थी।

इस मामले में एसडीएम प्रदीप कुमार ने पंचायती राज विभाग के कार्यकारी अभियंता को निर्देश दिए कि सड़क से संबंधित लंबित जांच को शीघ्र पूरा करते हुए नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा जांच प्रक्रिया में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

सम्पादकीय

यूरोपीय नेताओं को गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि बना कर मोदी ने पूरे यूरोप को साध लिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंतोनियो लुईस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डर लेयेन भारत आ रहे हैं और वह 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि होंगे। कोस्टा और लेयेन 16वें भारत यूरोपीय यूनियन शिखर सम्मेलन की सह अध्यक्षता भी करेंगे। भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में जानकारी दी गयी है कि यात्रा के दौरान कोस्टा और लेयेन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे तथा प्रधानमंत्री मोदी के साथ सीमित और प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगे। देखा जाये तो भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में यूरोपीय यूनियन की शीर्ष उपस्थिति बदलती वैश्विक राजनीति का साफ संकेत है। यह दृश्य यह भी बताता है कि भारत और यूरोप का रिश्ता अब रणनीतिक धरातल पर पहुंच चुका है। हम आपको बता दें कि भारत और यूरोपीय यूनियन 2004 से रणनीतिक साझेदार हैं लेकिन पिछले दो वर्षों में इस रिश्ते ने असाधारण गति पकड़ी है। फरवरी 2025 में यूरोपीय आयोग के पूरे प्रतिनिधिमंडल का भारत आना इस बात का प्रमाण था कि ब्रसेल्स अब नई दिल्ली को केवल एक उभरता बाजार नहीं बल्कि एक अनिवार्य शक्ति मान रहा है। अब गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि बनकर आना उसी निरंतरता की अगली कड़ी है। हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी की एंतोनियो लुईस सैंटोस दा कोस्टा और उसुर्ला वॉन डर लेयेन के साथ पिछले साल हुई संयुक्त दूरभाष वार्ता ने भी स्पष्ट कर दिया था कि बातचीत केवल शिष्टाचार तक सीमित नहीं है। व्यापार, प्रौद्योगिकी, निवेश, नवाचार, रक्षा-सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन जैसे मुद्दों पर ठोस प्रगति हुई है। सबसे अहम यह कि भारत व यूरोपीय यूनियन मुक्त व्यापार समझौते को शीघ्र पूरा करने की साझा प्रतिबद्धता दोहराई गई है। वाणिज्य सचिव के अनुसार चौबीस में से बीस अध्याय पूरे हो चुके हैं और शेष पर रोजाना स्तर पर संवाद चल रहा है। देखा जाये तो यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब वैश्विक व्यापार व्यवस्था उथल पुथल के दौर से गुजर रही है। अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियां और चीन की आपूर्ति श्रृंखला पर पकड़ ने यूरोप को वैकल्पिक साझेदार खोजने पर मजबूर किया है। इसी क्रम में जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने भारत यात्रा के दौरान संकेत दिया था कि जनवरी के अंत तक मुक्त व्यापार समझौता संभव है। उनका यह कहना कि दुनिया दुर्भाग्यपूर्ण संरक्षणवाद के पुनरुत्थान से गुजर रही है दरअसल भारत यूरोप निकटता की वैचारिक जमीन को रेखांकित करता है। हम आपको बता दें कि यूरोपीय यूनियन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और 2024 में द्विपक्षीय व्यापार 120 अरब यूरो तक पहुंच चुका है। बताया जा रहा है कि प्रस्तावित समझौता केवल शुल्क कटौती तक सीमित नहीं होगा बल्कि खनिज, स्वास्थ्य, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में नई साझेदारी की राह भी खोलेगा। साथ ही भारत मध्य पूर्व यूरोप आर्थिक गलियारा जैसी परियोजनाएं भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के केंद्र में स्थापित करेंगी। हम आपको बता दें कि यूक्रेन संघर्ष पर भी भारत और यूरोप के बीच संवाद खुलकर हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने शांति और स्थिरता पर भारत की निरंतर नीति दोहराई है। यूरोपीय पक्ष यह भी मानता है कि भारत की भूमिका संतुलनकारी है और वह संवाद का सेतु बन सकता है। देखा जाये तो भारत और यूरोपीय यूनियन का यह उभार कोई संयोग नहीं बल्कि सुविचारित रणनीति का परिणाम है। यह साफ दिखता है कि मोदी की विदेश नीति न तो भावुक आदर्शवाद में फंसी है और न ही पुराने गुटों की कैद में है। यह नीति हित आधारित यथार्थवाद और मूल्यों की संतुलित भाषा बोलती है। यही कारण है कि भारत एक ओर रूस से संवाद बनाए रखता है तो दूसरी ओर यूरोप और अमेरिका के साथ भी भरोसेमंद साझेदार बना रहता है। वहीं यूरोप के लिए भारत अब चीन का विकल्प ही नहीं बल्कि उससे बेहतर साझेदार बनकर उभर रहा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था, युवा आबादी, तकनीकी क्षमता और विशाल बाजार भारत को स्वाभाविक आकर्षण देते हैं। साथ ही भारत के लिए यूरोप उच्च तकनीक, स्वच्छ ऊर्जा, रक्षा सहयोग और वैश्विक नियम आधारित व्यवस्था में समर्थन का स्रोत है। यह साझेदारी वैश्विक शक्ति संतुलन को बहुध्रुवीय दिशा में धकेलती है। रणनीतिक स्तर पर इसका सबसे बड़ा प्रभाव एशिया प्रशांत और हिंद महासागर क्षेत्र में दिखेगा। भारत और यूरोप का सहयोग समुद्री सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा को मजबूत करेगा। इससे चीन की एकाधिकारवादी प्रवृत्तियों पर स्वाभाविक अंकुश लगेगा वह भी बिना किसी आक्रामक सैन्य टकराव के। देखा जाये तो मोदी की कूटनीति की विशेषता यह है कि वह भारत को सहभागी के रूप में प्रस्तुत करती है। मुक्त व्यापार समझौते में भी भारत ने अपने श्रम आधारित उद्योगों और उभरते क्षेत्रों के हितों को मजबूती से रखा है। बीस अध्यायों का पूरा होना बताता है कि भारत अब नियम स्वीकार करने वाला नहीं बल्कि नियम गढ़ने वाला देश बन रहा है।

जयंती

ओ. पी. नैय्यर

जन्म: 16 जनवरी, 1926, मृत्यु: 28 जनवरी, 2007, हिन्दी फिल्मों के एक प्रसिद्ध संगीतकार थे। अपने सुरों के जादू से आशा भोंसले और मोहम्मद रफी जैसे कई पार्श्वगायक और पार्श्वगायिकाओं को कामयाबी के शिखर पर पहुंचाने वाले महान संगीतकार ओ. पी. नैय्यर के संगीतबद्ध गीत आज भी लोकप्रिय है।

पुण्यतिथि

महादेव गोविन्द रानाडे

जन्म-18 जनवरी, 1842, मृत्यु-16 जनवरी, 1901, भारत के प्रसिद्ध राष्ट्रवादी, समाज सुधारक, विद्वान और न्यायविद थे। उन्हें "महाराष्ट्र का सुकरात" कहा जाता है। रानाडे ने समाज सुधार के कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया था। प्रार्थना समाज, आर्य समाज और ब्रह्म समाज का इनके जीवन पर बहुत प्रभाव था। गोविंद रानाडे 'दक्कन एजुकेशनल सोसायटी' के संस्थापकों में से एक थे। इन्होंने 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस' की स्थापना का भी समर्थन किया था। रानाडे स्वदेशी के समर्थक और देश में ही निर्मित वस्तुओं का प्रयोग करने के पक्षधर थे।

कल मिलेंगे

पुलिस-हम पुलिस वाले हैं दरवाजा खोलो
चिंटू-क्यों?
पुलिस-हमें कुछ बात करनी है।
चिंटू-तुम लोग कितने हो?
पुलिस-हम तीन हैं।
चिंटू-तो आपस में बात कर लो, मेरे पास टाइम नहीं है।

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

'भजन-राज' यानी 'भरोसे के शासन' में राजस्थान के नये आयाम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकसित भारत की संकल्पना को राजस्थान में जमीन पर उतारने में भी मुख्यमंत्री की सक्रियता स्पष्ट दिखाई देती है। अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक शासन की योजनाएं पहुंचें, यह केवल नारा नहीं, बल्कि प्रशासनिक प्राथमिकता बनी है। फैसलों में स्पष्टता, गति और निष्पक्षता-इन तीनों का संतुलन उनकी कार्यशैली को विशिष्ट बनाता है

-ललित गर्ग

राजस्थान की राजनीति में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का हालिया दौरा किसी औपचारिक कार्यक्रम या शिष्टाचार भर तक सीमित नहीं था, वह एक स्पष्ट राजनीतिक संकेत, एक भरोसे की सार्वजनिक मुहर और एक स्थायित्व का उद्घोष था। जाते-जाते मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पीठ थपथपाकर अमित शाह ने यह जता दिया कि प्रदेश की कमान अब पूरी तरह ऐसे नेतृत्व के हाथों में है, जिस पर केंद्रीय आलाकमान को केवल विश्वास ही नहीं, बल्कि गहरा संतोष भी है। जिसे कभी राजनीतिक गलियारों में सरप्राइज पैकेज कहकर देखा गया था, वही नेतृत्व आज राजस्थान की स्थिरता, सुशासन और भविष्य की ठोस नींव के रूप में स्थापित हो चुका है और राजस्थान की स्वर्णगाथा लिखने को तत्पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीति का एक विशिष्ट और लगातार सफल रहा प्रयोग यह रहा है कि वे सत्ता और संगठन में नए चेहरों को निर्णायक जिम्मेदारियां सौंपने से नहीं हिचकते। पर्दे के पीछे वर्षों तक ईमानदारी और निष्ठा से काम करने वाले कार्यकताओं को अचानक मुख्यमंत्री, उपराष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष या राज्यपाल जैसे पदों पर आसीन करना मोदी की राजनीतिक शैली का साहसिक पक्ष रहा है। इन निर्णयों ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि राजनीति में अनुभव के साथ-साथ चरित्र, प्रतिबद्धता और संगठन के प्रति निष्ठा भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। राजस्थान में भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाना भी ऐसा ही एक निर्णय था, जिसने आरंभ में अनेक लोगों को आश्चर्य में डाला। किंतु समय ने सिद्ध कर दिया कि यह निर्णय भावनात्मक नहीं, बल्कि गहरी राजनीतिक समझ और दूरदृष्टि पर आधारित था।

मुख्यमंत्री पद संभालते ही भजनलाल शर्मा ने यह साफ कर दिया कि वे सत्ता को साधन मानते हैं, साध्य नहीं। उनका एजेंडा कुर्सी बचाने का नहीं, बल्कि व्यवस्था बदलने का है। राजस्थान लंबे समय तक गुटीय राजनीति, शक्ति-संतुलन और पर्दे के पीछे चलने वाले समीकरणों से जूझता रहा है। सत्ता के भीतर ही सत्ता को चुनौती देने वाली प्रवृत्तियां यहां सामान्य रही हैं। भजनलाल शर्मा ने बिना किसी टकराव, बिना शोर-शराबे और बिना किसी को अपमानित किए, इन सभी प्रवृत्तियों को धीरे-धीरे अप्रासंगिक कर दिया। उन्होंने शासन को व्यक्ति-केंद्रित नहीं, बल्कि प्रणाली-केंद्रित बनाया। यही कारण है कि आज निर्णय तेजी से होते हैं, उन पर अमल भी होता है और उनकी जवाबदेही भी तय होती है। उनकी कार्यशैली की सबसे बड़ी पहचान जीरो टॉलरेंस की नीति है, जो केवल कागजों या भाषणों तक सीमित नहीं रही। विशेष रूप से पेपर लीक माफिया के खिलाफ की गई कार्रवाई ने सरकार की मंशा और मुख्यमंत्री के साहस को स्पष्ट रूप से उजागर किया। वर्षों से यह माफिया लाखों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करता रहा, लेकिन राजनीतिक संरक्षण के चलते उस पर हाथ डालने का साहस कोई नहीं कर पाया। भजनलाल शर्मा ने सत्ता संभालते ही इस समस्या को जड़ से समाप्त करने का संकल्प लिया। एसआईटी के गठन, त्वरित जांच, बड़े नामों की गिरफ्तारी और बिना किसी दबाव के निष्पक्ष कार्रवाई ने यह सिद्ध कर दिया कि यह सरकार केवल घोषणाओं में नहीं, परिणामों में विश्वास रखती है। इससे न केवल युवाओं का भरोसा लौटा, बल्कि यह संदेश भी गया कि अब राजस्थान में कानून से बड़ा कोई नहीं है।

इसी प्रकार, दशकों से प्यास से जूझ रहे राजस्थान के लिए ईआरसीपी परियोजना पर मध्य प्रदेश के साथ हुआ ऐतिहासिक समझौता मुख्यमंत्री की राजनीतिक परिपक्वता और संवाद क्षमता का प्रमाण है। जिस योजना को वर्षों तक केवल चुनावी वादों और फाइलों में उलझाकर रखा गया था, उसे उन्होंने केंद्र सरकार के सहयोग और पड़ोसी राज्य के साथ सकारात्मक संवाद के जरिए वास्तविकता में बदलने का मार्ग प्रशस्त किया। यह निर्णय बताता है कि भजनलाल शर्मा टकराव की राजनीति के बजाय समाधान की राजनीति में विश्वास रखते हैं। कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर भी उनकी सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि अपराध और अपराधियों के लिए अब कोई नरमी नहीं है। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन, संगठित अपराध के खिलाफ सख्त कार्रवाई और अपराधियों में कानून का भय-ये सभी कदम इस बात के प्रमाण हैं कि राज्य में सत्ता का इकबाल लौट रहा है। आम नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस कर रहा है और अपराधी खुद को असुरक्षित। यह सुशासन का सबसे ठोस संकेत होता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकसित भारत की संकल्पना को राजस्थान में जमीन पर उतारने में भी मुख्यमंत्री की सक्रियता स्पष्ट दिखाई देती है। अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक शासन की योजनाएं पहुंचें, यह केवल नारा नहीं, बल्कि प्रशासनिक प्राथमिकता बनी है। फैसलों में स्पष्टता, गति और निष्पक्षता-इन तीनों का संतुलन उनकी कार्यशैली को विशिष्ट बनाता है। यही कारण है कि विपक्ष भी आज ठोस आलोचना के बिंदु खोजने में असहज नजर आता है। भजनलाल शर्मा के शासन की चर्चा करते समय उनके चारित्रिक और व्यक्तिगत गुणों का उल्लेख अत्यंत आवश्यक है। राजनीति में जहां दिखावा, आडंबर और अहंकार आम बात हो चली है, वहीं भजनलाल शर्मा अपनी सरलता, सहजता और सादगीपूर्ण जीवनशैली के लिए पहचाने जाते हैं। सत्ता में आने के बाद भी उनके व्यवहार, भाषा और जीवन-शैली में कोई कृत्रिम बदलाव नहीं आया। वे निर्णय लेते समय दृढ़ होते हैं, लेकिन संवाद में विनम्र रहते हैं। उनका राजनीतिक कौशल शोर में नहीं, बल्कि परिणामों में दिखाई देता है। वे जानते हैं कि कब कठोर होना है और कब संयम रखना है। यही संतुलन उन्हें भीड़ से अलग करता है। संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, कार्यकर्ताओं के प्रति सम्मान और जनता के प्रति उत्तरदायित्व-ये सभी गुण उनके नेतृत्व को नैतिक आधार प्रदान करते हैं।

राजस्थान के अब तक के मुख्यमंत्रियों का शासन बहुआयामी अनुभवों से भरा रहा है, जिसमें प्रशासनिक दक्षता, सामाजिक न्याय, विकासात्मक प्राथमिकताओं और राजनीतिक स्थिरता-इन सभी के विविध रूप देखने को मिलते हैं। हीरालाल शास्त्री और जय नारायण व्यास जैसे प्रारंभिक मुख्यमंत्रियों ने लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रशासनिक ढांचे की नींव रखी। मोहनलाल सुखाड़िया का दीर्घकालीन शासन सिंचाई, पंचायतीराज और सामाजिक सुधारों के लिए स्मरणीय रहा, जिसे आधुनिक राजस्थान की आधारशिला माना जाता है। बाद के वर्षों में हरिदेव जोशी, शिवचरण माथुर और अशोक गहलोत ने कल्याणकारी योजनाओं, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा-स्वास्थ्य और विकेंद्रीकरण पर बल दिया, जबकि भैरोंसिंह शेखावत और वसुंधरा राजे के शासन में आधारभूत संरचना, औद्योगिक निवेश, सड़क-बिजली और प्रशासनिक सख्ती पर अधिक जोर दिखा। इन सबके तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में भजनलाल शर्मा का शासन अपेक्षाकृत नया होते हुए भी ह्लसुशासन, अनुशासन और डिलीवरीह्व के संकल्प के साथ आगे बढ़ता दिखाई देता है। उनका फोकस प्रशासनिक चुस्ती, कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण, केंद्र-राज्य समन्वय और योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन पर है। पूर्ववर्ती मुख्यमंत्रियों के शासन जहाँ दीर्घ अनुभव और स्थापित नीतिगत पहचान के लिए जाने जाते हैं, वहीं भजनलाल शर्मा का शासन अपेक्षाओं, परिणामोन्मुखी कार्यसंस्कृति और नई कार्यशैली के परीक्षण के दौर में है। इस प्रकार राजस्थान की राजनीति में उनका कार्यकाल परंपरा और परिवर्तन-दोनों के बीच एक सेतु की तरह देखा जा सकता है, जहाँ पूर्व शासनों की उपलब्धियों से सीख लेकर भविष्य के लिए अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी शासन मॉडल गढ़ने का प्रयास परिलक्षित होता है।

आज राजस्थान में भजन राज का अर्थ केवल सत्ता का संचालन नहीं, बल्कि भरोसे का शासन है। ऐसा शासन, जहां कार्यकर्ता खुद को गौरवान्वित महसूस करता है और आम नागरिक खुद को सुरक्षित। केंद्रीय आलाकमान की खुली छूट और अमित शाह की पीठ थपथपाहट ने मुख्यमंत्री को और अधिक ऊर्जा के साथ काम करने का संबल दिया है। यह संकेत साफ है कि भजनलाल शर्मा अब केवल एक प्रयोग नहीं, बल्कि एक स्थापित, विश्वसनीय और सक्षम नेतृत्व के रूप में स्वीकार किए जा चुके हैं। जो लोग अब भी किसी बड़े बदलाव या सत्ता-समीकरण के इंतजार में हैं, उन्हें यह समझ लेना चाहिए कि भजनलाल शर्मा का नेतृत्व कोई संयोग नहीं, बल्कि राजस्थान को एक स्थिर, सुशासित और स्वर्णिम भविष्य की ओर ले जाने वाला सुविचारित संकल्प है। वे केंद्रीय नेतृत्व की कसौटी पर 24 कैरेट खरा उतरने के लिए प्रतिबद्ध हैं और उनके अब तक के कार्य इस प्रतिबद्धता की ठोस गवाही देते हैं।

शक्ति, रणनीति और शहादत का संगम है भारतीय सेना

देश की आजादी के बाद भारतीय सेना पांच बड़े युद्ध लड़ चुकी है, जिनमें चार पाकिस्तान के खिलाफ और एक चीन के साथ लड़ा था। देश की आजादी के बाद 1947-48 में हुए भारत-पाक युद्ध को कश्मीर युद्ध नाम से भी जाना जाता है, जिसके बाद कश्मीर का भारत में विलय हुआ था। 1962 में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा धोखे से थाग-ला-रिज पर भारतीय सेना पर हमला बोल दिया गया था

-योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 15 जनवरी को भारतीय सेना दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष हम 78वां सेना दिवस मनाया। सेना दिवस के अवसर पर पूरा देश थलसेना के अदम्य साहस, जांबाज सैनिकों की वीरता, शौर्य और उसकी शहादत को याद करता है। इस विशेष अवसर पर जवानों के दस्ते और अलग-अलग रेजीमेंट की परेड के अलावा झांकियां भी निकाली जाती हैं और उन सभी बहादुर सेनानियों को सलामी दी जाती है, जिन्होंने देश और लोगों की सलामती के लिए अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। 15 जनवरी को ही यह दिवस मनाए जाने का विशेष कारण यही है कि 1899 में कर्नाटक के कुर्ग में जन्मे लेफ्टिनेंट जनरल केएम करियप्पा आज ही के दिन वर्ष 1949 में भारतीय सेना के पहले कमांडर-इन-चीफ बने थे। उन्होंने 15 जनवरी 1949 को ब्रिटिश जनरल फ्रांसिस बुचर से भारतीय सेना की कमान संभाली थी। जनरल फ्रांसिस बुचर भारत के आखिरी ब्रिटिश कमांडर-इन-चीफ थे।1953 में वे भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हुए और 94 वर्ष की आयु में 1993 में उनका निधन हुआ। केएम करियप्पा दूसरे ऐसे सेना अधिकारी थे, जिन्हें फील्ड मार्शल की उपाधि दी गई थी।

भारतीय थल सेना का गठन ईस्ट इंडिया कम्पनी की सैन्य टुकड़ी के रूप में कोलकाता में 1776 में हुआ था, जो बाद में ब्रिटिश भारतीय सेना बनी और देश की आजादी के बाद इसे भारतीय थल सेना नाम दिया गया। भारतीय सेना की 53 छावनियां और 9 आर्मी बेस हैं और चीन तथा अमेरिका के साथ भारतीय सेना दुनिया की तीन सबसे बड़ी सेनाओं में शामिल है। हमारी सेना संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में सबसे बड़ी योगदानकताओं में से एक है। यह दुनिया की कुछेक ऐसी सेनाओं में से एक है, जिसने कभी भी अपनी ओर से युद्ध की शुरूआत नहीं की। भारतीय सेना के ध्वज का बैकग्राउंड लाल रंग का है, ऊपर बायीं ओर तिरंगा झंडा, दायीं ओर भारत का राष्ट्रीय चिह्न और तलवार हैं। सेना दिवस के अवसर पर सेना प्रमुख को सलामी दी जाती रही है लेकिन 2020 में पहली बार सेना प्रमुख के स्थान पर देश के प्रथम सीडीएस बने जनरल बिपिन रावत को सलामी दी गई थी।

देश की आजादी के बाद भारतीय सेना पांच बड़े युद्ध लड़ चुकी है, जिनमें चार पाकिस्तान के खिलाफ और एक चीन के साथ लड़ा था। देश की आजादी के बाद 1947-48 में हुए भारत-पाक युद्ध को कश्मीर युद्ध नाम से भी जाना जाता है, जिसके बाद कश्मीर का भारत में विलय हुआ था। 1962 में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा धोखे से थाग-ला-रिज पर भारतीय सेना पर हमला बोल दिया गया था। उस जमाने में भातीय सेना के पास स्वचालित और आधुनिक हथियार नहीं होते थे, इसलिए चीन को रणनीतिक बढ़त मिली थी। 1965 के भारत-पाक युद्ध के बाद 1971 में भारतीय सेना ने पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी थी। 13 दिनों तक चले उस युद्ध के बाद ही पाकिस्तान के टुकड़े कर बांग्लादेश का जन्म हुआ और पाकिस्तानी जनरल नियाजी के साथ 90 हजार पाक सैनिकों ने जांबाज भारतीय सेना के समक्ष हथियार डाल दिए थे। मई से जुलाई 1999 तक चले कारगिल युद्ध में तो भारतीय सेना ने पाकिस्तान को छठी का दूध याद दिला दिया था।

आज पूरी दुनिया भारतीय सेना का लोहा मानती है। आधुनिक हथियारों और प्रौद्योगिकी के साथ भारतीय सेना एक विश्वस्तरीय सेना है। सेना दिवस के महत्वपूर्ण अवसर पर चीन द्वारा वर्तमान में लगातार पेश की जा रही चुनौतियों के दौर में भारतीय सेना की निरन्तर बढ़ती ताकत का उल्लेख करना बेहद जरूरी है। 2025 की ग्लोबल फायरपावर रिपोर्ट के अनुसार भारतीय सेना की गिनती दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेनाओं में की जाती है। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय थल सेना के जखीरे में कई तरह के आधुनिक हथियार शामिल हैं, जिनमें आधुनिक टैंकों के साथ बैलिस्टिक मिसाइलें भी हैं। भारत की थल सेना के पास चार हजार से अधिक टैंक हैं। इसके अलावा भारतीय सेना के जखीरे में एक लाख से अधिक आर्म्ड व्हीकल भी शामिल हैं। थल सेना के पास 100 सेल्फ प्रोपेल्ड आर्टिलिरी, 3300 हल्की आर्टिलिरी भी हैं तथा थल सेना के बेड़े में करीब 1500 रॉकेट आर्टिलरी भी शामिल हैं।

भारतीय सैन्यबल में 14.45 लाख सक्रिय सैन्यकर्मी हैं, जो दुनिया में दूसरे नंबर पर है। सेना में 12 लाख से ज्यादा आरक्षित बल तथा बीस लाख अर्धसैनिक बल हैं। भारतीय थलसेना में 4600 से ज्यादा टैंक टी-72, टी-90, अर्जुन एमके-1, अर्जुन एमके-2 इत्यादि टैंक, 5 हजार से ज्यादा तोपें, 290 स्वचालित तोपें, 290 से ज्यादा रॉकेट तोपें तथा 8600 बख्तरबंद वाहन शमिल हैं। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय थलसेना हर परिस्थिति में चीनी सेना से बेहतर और अनुभवी है, जिसके पास युद्ध का बड़ा अनुभव है, जो कि विश्व में शायद ही किसी अन्य देश के पास हो। भले ही चीन के पास भारत से ज्यादा बड़ी सेना और सैन्य साजो-सामान है लेकिन आज के परिप्रेक्ष्य में दुनिया में किसी के लिए भी इस तथ्य को नजरअंदाज करना संभव नहीं हो सकता कि भारत की सेना को अब धरती पर दुनिया की सबसे खतरनाक सेना माना जाता है और सेना के विभिन्न अंगों के पास ऐसे-ऐसे खतरनाक हथियार हैं, जो चीनी सेना के पास भी नहीं हैं। धरती पर लड़ी जाने वाली लड़ाईयों के लिए भारतीय सेना की गिनती दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सेनाओं में होती है और कहा जाता है कि अगर किसी सेना में अंग्रेज अधिकारी, अमेरिकी हथियार और भारतीय सैनिक हों तो उस सेना को युद्ध के मैदान में हराना असंभव होगा।

जापान के एक आकलन के मुताबिक भारतीय थलसेना चीन के मुकाबले ज्यादा मजबूत है। इस रिपोर्ट के अनुसार हिन्द महासागर के मध्य में होने के कारण भारत की रणनीतिक स्थिति बेहद महत्वपूर्ण है और दक्षिण एशिया में अब भारत का काफी प्रभाव है। अमेरिकी न्यूज वेबसाइट सीएनएन की एक रिपोर्ट में भी दावा किया जा चुका है कि भारत की ताकत पहले के मुकाबले बहुत ज्यादा बढ़ गई है और युद्ध की स्थिति में भारत का पलड़ा भारी रह सकता है। बोस्टन में हार्वर्ड केनेडी स्कूल के बेलफर सेंटर फॉर साइंस एंड इंटरनेशनल अफेयर्स तथा वाशिंगटन के एक अमेरिकी सुरक्षा केन्द्र के अध्ययन में कहा जा चुका है कि भारतीय सेना उच्च ऊंचाई वाले इलाकों में लड़ाई के मामले में माहिर है और चीनी सेना इसके आसपास भी नहीं फटकती।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा सामरिक मामलों के विश्लेषक हैं)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

खामनेई ने निकाली मिसाइल, पाकिस्तान बनेगा पहला निशाना!

(एजेन्सी)।

देश के कई हिस्सों में हिंसा भड़क चुकी है। सड़कों पर आग और यह जो तस्वीरें आ रही हैं सोशल मीडिया पर वो जमकर वायरल भी हो रही है और यह काफी दिल दहला देने वाली है। लेकिन खाम नहीं ईरान को सुलगाने वालों को छोड़ने नहीं वाले। ईरान में हालात बिगाड़ने वालों को क्रांति को हवा देने वाले पाकिस्तान को सबक सिखाने की कसम अब खामने ही ने खा ली है। ईरान में आग पाकिस्तान ने लगवाई है और इसके कई सारे सबूत अब सामने आ चुके हैं और ये जब सबूत सामने आए और खुलासा सामने आया तो उसके बाद ईरान ने भी एक पलटवार की जवाबी कारवाई की रणनीति तैयार कर ली है। जैसे ही पाकिस्तान और मुनीर एक्सपोज हुआ तो सवाल यह उठने लगे कि ईरान पाकिस्तान पर हमले की तैयारी कर रहा है। कहा जाने लगा कि अब खामनेई पाकिस्तान को सबक सिखाएंगे।

ईरान का सीधा आरोप है कि इस पूरे बवाल के पीछे अमेरिका, इजराइल और पाकिस्तान की साजिश है जो उन्होंने ईरान में रची। खासतौर पर पाकिस्तान जो कथित तौर पर ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह खामने की पीठ में खंजर खोपने की कोशिश में शामिल हुए। ईरान में हुई हजारों मौतों के पीछे पाकिस्तान भी जिम्मेदार है और पाकिस्तान का इस हिंसा से सीधा-सीधा कनेक्शन सामने आया है। रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि ईरान में हालत संभालते ही खामने पाकिस्तान से हिसाब चुकाने की तैयारी में है। ईरान का दावा है कि इस आग की चिंगारी सरहद पार से आई है और यह सरहद पार पर जो साजिश रची वो पाकिस्तान ने की है और किसके इशारे पर की है। ईरान की एलट मिलिट्री यूनिट यानी कि आईआरजीसी ने बड़े पैमाने पर सीक्रेट ऑपरेशन चलाए। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि आईआरजीसी के कमांडो सादे कपड़े में संदिग्धों को दबोच रहे हैं। आईआरजीसी का दावा है कि गिरफ्तार किए गए लोग आम प्रदर्शनकारी नहीं थे। यह सुपारी लेकर हत्या करने वाले हमलावर थे। ईरानी एजेंसियों के मुताबिक इन संदिग्धों से बरामद हुए हैं बहुत सारे सामान जो चौंकाने वाले हैं। इस सामान के लिस्ट में ऑटोमेटिक हथियार है, ग्रेनेड है, हैंड ग्रेनेड है।

भारतीय सेना के बहादुर सैनिकों को सलाम, इजरायली राजदूत ने 78वें सेना दिवस पर शुभकामनाएं दीं

(एजेन्सी)।

78वें भारतीय सेना दिवस के अवसर पर, इजराइल के राजदूत रूवेन अजार ने गुरुवार को भारतीय सेना की वीरता की प्रशंसा की और भारत और इजराइल के बीच सहयोग की पुष्टि की। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि दोनों देशों की साझेदारी आतंकवाद-विरोधी गतिविधियों, प्रौद्योगिकी और नवाचार पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना दिवस पर मैं भारतीय सेना के वीर सैनिकों को सलाम करता हूं। भारत और इजराइल के सशस्त्र बल सुरक्षा खतरों का सामना करने की क्षमता विकसित करने के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे। हमारा सहयोग विश्वास, साहस और सुरक्षा एवं स्थिरता के प्रति साझा प्रतिबद्धता पर आधारित है। आज सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (सीओएएस) जनरल उपेंद्र द्विवेदी सहित कई अन्य नेताओं ने भी भारतीय सेना के जवानों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। पीएम मोदी ने अपने पोस्ट में लिखा कि सेना दिवस पर, हम भारतीय सेना के साहस और दृढ़ प्रतिबद्धता को सलाम करते हैं। हमारे सैनिक निस्वार्थ सेवा के प्रतीक हैं, जो सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी दृढ़ संकल्प के साथ राष्ट्र की रक्षा करते हैं। उनकी कर्तव्यनिष्ठा पूरे देश में विश्वास और कृतज्ञता की भावना जगाती है।

इसी बीच, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी और अन्य गणमान्य व्यक्ति राजस्थान के जयपुर में आयोजित 78वें सेना दिवस समारोह में शामिल हुए।

राजकोट वनडे में विराट कोहली से मिलने घुसा फैन, सुरक्षा पर उठे गंभीर सवाल

(एजेन्सी)।

क्रिकेट के मैदान पर फैंस का जुनून कई बार नियमों की दीवार लांघ जाता है। बुधवार रात राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जब एक प्रशंसक सुरक्षा घेरा तोड़ते हुए मैदान में घुस गया और भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को गले लगाने की कोशिश करता दिखाई दिया।

बता दें कि यह घटना भारत और न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के बीच खेले गए दूसरे एकदिवसीय मुकाबले के दौरान हुई है। अचानक फैन को अपनी ओर आते देख कोहली कुछ पल के लिए चौंके जरूर, लेकिन उन्होंने तुरंत सुरक्षा कर्मियों से अनुरोध किया कि प्रशंसक के साथ सख्ती न की जाए। कोहली का यह मानवीय रवैया दर्शकों के बीच सराहा गया है।

हालांकि, गौरतलब है कि मैदान से बाहर ले जाते समय सुरक्षा अधिकारी का व्यवहार विवाद का कारण बन गया है। मौजूद जानकारी के अनुसार, सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में कथित तौर पर एक अधिकारी उस प्रशंसक को थप्पड़ मारते हुए दिख रहा है। इसके बाद स्टेडियम की सुरक्षा व्यवस्था और अधिकारियों की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठने लगे हैं। फिलहाल इस मामले पर किसी आधिकारिक जांच या बयान की पुष्टि नहीं हुई है।

मैच की बात करें तो यह मुकाबला भारतीय टीम के लिए निराशाजनक रहा है। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 7 विकेट पर 284 रन बनाए हैं।

विराट कोहली ने अच्छी शुरूआत की, लेकिन वह 23 रन बनाकर आउट हो गए हैं। इसके बाद केएल राहुल ने शानदार शतक जड़ते हुए पारी को संभाला है, जबकि कप्तान शुभमन गिल ने लगातार दूसरा अर्धशतक लगाया है। न्यूजीलैंड ने लक्ष्य का पीछा करते हुए बेहतरीन बल्लेबाजी दिखाई है। डेरिल मिचेल ने भारत के खिलाफ एक और यादगार पारी खेलते हुए नाबाद 131 रन बनाए हैं। उनके साथ विल यंग ने 87 रनों का योगदान दिया है।

दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 162 रनों की साझेदारी हुई, जिसके दम पर न्यूजीलैंड ने 47.3 ओवर में मुकाबला जीत लिया। इस जीत के साथ ही तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर हो गई है। अब निर्णायक मुकाबला रविवार को इंदौर में खेला जाना है। कुल मिलाकर, यह मैच क्रिकेट के रोमांच के साथ-साथ फैन की भावनाओं और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उठे सवालों की वजह से भी चर्चा में रहा है।

भारत में 10 मिनट डिलीवरी मॉडल पर सवाल, गिग वर्कर्स के दबाव में कंपनियों का रुख बदला

(एजेन्सी)।

दुनिया के कई देशों में जहां इंस्टेंट डिलीवरी मॉडल टिक नहीं पाया, वहीं भारत में यह बीते कुछ वर्षों में तेजी से फैलता चला गया। शहरी इलाकों में उपभोक्ता अब यह उम्मीद करने लगे हैं कि किराने का सामान हो या फिर महंगे इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, सब कुछ 10 से 15 मिनट के भीतर घर तक पहुंच जाए। यही वजह है कि क्विक-कॉमर्स भारत के ई-कॉमर्स इकोसिस्टम का अहम हिस्सा बनता जा रहा है।

बता दें कि इस रफ्तार को बनाए रखने के लिए जेप्टो, ब्लिंकिट और इंस्टामार्ट जैसी कंपनियों ने सैकड़ों मिलियन डॉलर का निवेश किया है। ये कंपनियां रिहायशी इलाकों के आसपास तथाकथित डार्क स्टोर्स बना रही हैं, जो छोटे गोदामों की तरह काम करते हैं और वहीं से ऑर्डर तुरंत भेजे जाते हैं। इसके साथ ही बड़ी संख्या में डिलीवरी कर्मियों की भर्ती भी की गई है, क्योंकि प्रतिस्पर्धा लगातार तेज होती जा रही है।

गौरतलब है कि सेक्टर के विस्तार के साथ ही डिलीवरी से जुड़े कर्मचारियों पर दबाव भी बढ़ा है। मौजूद जानकारी के अनुसार, नए साल की पूर्व संध्या पर देश के कई बड़े शहरों में दो लाख से अधिक गिग वर्कर्स ने प्रदर्शन किया। ये प्रदर्शन उस वक्त हुए, जब डिलीवरी की मांग चरम पर थी। कर्मचारियों की मांगों में कानूनी सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा लाभ, बेहतर मेहनताना और ऑटोमेटेड पेनल्टी सिस्टम में बदलाव शामिल रहे, जो देर से डिलीवरी पर उनकी रेटिंग गिरा देता है।

कई विशेषज्ञों ने सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई है। तेज समयसीमा के दबाव में डिलीवरी कर्मियों को ट्रैफिक के बीच जल्दबाजी करनी पड़ती है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ता है। मानव संसाधन क्षेत्र के जानकारों का कहना है कि 10-15 मिनट की डिलीवरी का मॉडल गिग वर्क की तनाव और जोखिम प्रोफाइल को पूरी तरह बदल देता है।

इसी पृष्ठभूमि में, श्रमिक संगठनों के विरोध और श्रम मंत्रालय के दबाव के बाद ब्लिंकिट ने अपने ऐप और प्रचार से 10 मिनट में डिलीवरी वाला संदेश हटा दिया है। माना जा रहा है कि आने वाले समय में अन्य क्विक-कॉमर्स कंपनियां भी ऐसा कदम उठा सकती हैं।

लोकतंत्र के उत्सव में शामिल हुए बॉलीवुड सितारे

(एजेन्सी)। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार, सान्या मल्होत्रा और अन्य हस्तियों ने बृहस्पतिवार सुबह बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) चुनाव में मतदान किया। इसके अलावा आमिर खान मुंबई में चल रहे बृहन्मुंबई नगर निगम चुनाव में वोट डालने के लिए अपने पोलिंग बूथ पर पहुंचते हुए दिखे। महाराष्ट्र में आज नगर निगम चुनाव हो रहे हैं, जिसमें राज्य की 29 नगर निगमों में वोटिंग हो रही है। अक्षय कुमार सबसे पहले मतदान करने वालों में शामिल थे और उन्होंने मुंबई के लोगों से अपने मताधिकार का प्रयोग करने और सही उम्मीदवार को चुनने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आज वह दिन है जब मुंबईवासियों के हाथों में रिमोट कंट्रोल (जन प्रतिनिधियों को चुनने का) है। अभिनेता ने कहा कि इसलिए लोगों को बिजली, पानी और सड़क के मुद्दों पर बाद में शिकायत करने के बजाय, बाहर आकर मतदान करना चाहिए। कुमार ने अपना वोट डालने के बाद पत्रकारों से कहा, तो अब हमारी बारी है और हम सबको बाहर निकलकर सही व्यक्ति को चुनने के लिए वोट देना चाहिए।

नगरपालिका राजौंद ने लागू किए पर्यावरण संरक्षण से जुड़े नियम, उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई

स्वच्छ वातावरण के लिए कचरा प्रबंधन, प्लास्टिक प्रतिबंध व खुले में कचरा जलाने पर रोक

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। नगरपालिका राजौंद द्वारा स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से भारत सरकार व हरियाणा सरकार द्वारा अधिसूचित विभिन्न कचरा प्रबंधन नियमों को नगरपालिका क्षेत्र में लागू कर दिया गया है। इस संबंध में नगरपालिका द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी कर नागरिकों, दुकानदारों, कार्यालयों एवं संस्थानों को नियमों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

नगरपालिका द्वारा जारी सूचना के अनुसार नगर क्षेत्र में Solid Waste Management Rules, 2016, Plastic Waste Management Rules, 2016, C&D Waste Management Rules, 2016, Hazardous Waste Management Rules, 2016, E-Waste Management Rules, 2016 तथा Horticulture Waste Management नियम प्रभावी किए गए हैं।

सूचना में बताया गया है कि नगर में घर-घर से कूड़ा उठाने की व्यवस्था की गई है। सभी नागरिकों एवं दुकानदारों को हरे व नीले कूड़ेदान में गीला और सूखा कचरा अलग-अलग एकत्र कर नगरपालिका के वाहनों में ही डालना होगा। खुले में कचरा फेंकने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सचिव नगर पालिका राजौंद नरेंद्र शर्मा।

नगरपालिका क्षेत्र में 120 माइक्रोन से कम मोटाई वाली प्लास्टिक थैलियों एवं प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री के उपयोग व बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने पर जुर्माना व प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही खुले में शौच अथवा पेशाब करना भी प्रतिबंधित किया गया है। इसके अलावा कोई भी व्यक्ति अपने आवासीय या व्यावसायिक भवन से निकलने वाला कचरा या मलबा सड़कों व सार्वजनिक स्थानों पर नहीं डालेगा।

सभी सेप्टिक टैंक साफ करने वाले वाहनों व एजेंसियों को नगरपालिका में पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा तथा निस्तारण केवल एसटीपी पर ही किया जाएगा।

नगरपालिका ने यह भी स्पष्ट किया है कि सभी होटल, बैंक्वेट हॉल, हॉस्टल, ढाबा एवं ऐसे संस्थान जहां प्रतिदिन 100 किलोग्राम से अधिक कचरा उत्पन्न होता है, उन्हें अपने परिसर में कम्पोस्ट प्लांट लगाना अनिवार्य होगा। अस्पतालों को भी अपने कचरे का नियमानुसार निस्तारण सुनिश्चित करना होगा।

किसी भी स्थान पर कचरा जलाना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। होटल, सोसाइटी एवं औद्योगिक क्षेत्रों में बागवानी से उत्पन्न कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण करना अनिवार्य होगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

नगरपालिका सचिव ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करें और नियमों का पालन कर नगर को स्वच्छ व सुंदर बनाने में योगदान दें।

स्वच्छ राजौन्द स्वच्छ हरियाणा

Ph. No. 01746-256257

Municipal Committee, Rajound

Kaithal Assandh Road, Rajound-136044, Email: secv.rajound@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से भारत सरकार एवं हरियाणा सरकार द्वारा अधिसूचित निम्नलिखित नियमों को नगरपालिका राजौंद क्षेत्र में लागू किया गया है। इन नियमों का पालन करना सभी नागरिकों, दुकानदारों, कार्यालयों एवं संस्थानों के लिए अनिवार्य है:-

1. Solid Waste Management Rules, 2016
2. Plastic Waste Management Rule, 2016
3. C & D Waste Management Rules, 2016
4. Hazardous Waste Management Rules, 2016
5. E-Waste Management Rules, 2016
6. Horticulture Waste Management

निर्देश:

1. नगरपालिका राजौंद क्षेत्र में घर-घर से कूड़ा उठाने की व्यवस्था की गई है। सभी नागरिकों एवं दुकानदारों से अनुरोध है कि अपने घर/दुकान/संस्थान में हरे व नीले रंग के कूड़ेदान में गीला व सूखा कूड़ा अलग-अलग एकत्र कर नगरपालिका के वाहन में ही डालें। खुले में कूड़ा डालने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।
2. नगरपालिका राजौंद क्षेत्र में 120 माइक्रोन से कम मोटाई वाली प्लास्टिक थैलियों तथा प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री का प्रयोग एवं बिक्री पूर्णतः वर्जित है। Plastic Waste Management Rules, 2016 का उल्लंघन करने पर जुर्माना एवं प्रशासनिक कार्यवाही की जाएगी।
3. नगरपालिका राजौंद क्षेत्र में खुले में शौच अथवा पेशाब करना प्रतिबंधित है। उल्लंघन करने पर नियमानुसार जुमार्ना लगाया जाएगा।
4. कोई भी व्यक्ति अपने आवासीय या व्यावसायिक भवन से निकलने वाला कचरा/मलबा सड़कों या सार्वजनिक स्थानों पर नहीं डालेगा। नियमों का उल्लंघन करने पर कार्यवाही की जाएगी।
5. सभी सेप्टिक टैंक साफ करने वाले वाहन/एजेंसी अपना पंजीकरण नगरपालिका राजौंद में कराना अनिवार्य है। सेप्टिक टैंक की सफाई एवं निस्तारण का पूर्ण रिकॉर्ड रखा जाए तथा निस्तारण केवल एसटीपी पर ही किया जाए।
6. सभी होटल, बैंक्वेट हॉल, हॉस्टल, ढाबा एवं ऐसे संस्थान जहां प्रतिदिन 100 किलोग्राम से अधिक कचरा उत्पन्न होता है, उन्हें अपने परिसर में कम्पोस्ट प्लांट लगाना अनिवार्य होगा। सभी अस्पताल भी अपने कचरे का नियमानुसार निस्तारण सुनिश्चित करें।
7. किसी भी स्थान पर कचरा जलाना पूर्णतः प्रतिबंधित है। उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।
8. नगरपालिका राजौंद क्षेत्र में होटल, सोसाइटी एवं औद्योगिक क्षेत्रों में बागवानी से उत्पन्न कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण अनिवार्य है। नियमों का उल्लंघन या कचरा जलाने पर कठोर कार्यवाही की जाएगी।

सचिव
नगरपालिका राजौंद

डीसी अपराजिता ने किया दत्तक ग्रहण एजेंसी का दौरा

बच्चों को दी जा रही सुविधाओं का किया निरीक्षण

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी अपराजिता ने वीरवार को श्री सनातन धर्म सभा द्वारा कोठी गेट कैथल पर चलाए जा रहे बाल उपवन आश्रम विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी तथा वृद्ध आश्रम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों एवं बुजुर्गों से मुलाकात की तथा उन्हें दी जा रही सुविधाओं का बारिकी से निरीक्षण किया। डीसी अपराजिता स्वयं भी नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए उपहार व खाद्य पदार्थ लेकर पहुंचीं थीं। डीसी ने बच्चों की जरूरत को देखते हुए अधिकारियों को तुरंत रूम हीटर उपलब्ध करवाने सहित बाल रोग विशेषज्ञ को हर सप्ताह बच्चों के स्वास्थ्य का परीक्षण करने के निर्देश दिए। ताकि सर्दी में बच्चों को कोई परेशानी न हो।

डीसी अपराजिता ने कहा कि बच्चों की देखभाल व स्वास्थ्य में किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने एजेंसी में रह रही स्पेशल नीड बच्ची को विशेष थेरेपी भी देने के आदेश दिए। उन्होंने बच्चों के स्वास्थ्य के बारे में भी जानकारी ली तथा कहा कि बच्चों का स्वास्थ्य समय-समय पर चेक करवाया जाए तथा उन्हें ठंड से बचाव के भी उचित प्रबंध रखें। उन्होंने कहा कि स्वच्छता का बारीकी से ध्यान रखा जाए। रसोई हो या शौचालय, साफ-सफाई में किसी तरह की लापरवाही न बरती जाए।

इसके बाद उन्होंने एजेंसी की रसोई का भी बारीकी से निरीक्षण किया। रसोई में उन्होंने एक-एक बॉक्स को खोलकर देखा। डीसी ने स्टोर रूम का भी बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों व वृद्धों को दी जा रही दाल, सब्जी की गुणवत्ता को भी जांचा। इसके साथ ही उन्होंने बच्चों की पेयजल व्यवस्था को भी जांचा। डीसी ने आदेश दिए कि छोटे बच्चों के हाथ धोने के लिए छोटा हैंड बेसन भी लगाया जाए ताकि बच्चों को बचपन से हाथ धोने की आदत विकसित हो।

डीसी ने कहा कि सभा द्वारा बच्चों व वृद्धों की सेवा के लिए बेहतरीन कार्य किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को आदेश दिए कि वे समय समय पर एजेंसी का निरीक्षण कर सेवाओं का जायजा लेते रहें। डीसी ने बाद में गोद लेने की प्रक्रिया को लेकर एजेंसी संचालकों सहित जिला बाल संरक्षण अधिकारी कार्यालय के कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए और कहा कि गोद देने के बाद बच्चों की स्थिति का अवलोकन किया जाना आवश्यक है।

इस अवसर पर सभा के सदस्य वरिष्ठ भाजपा नेता अरुण सर्राफ, रमेश बंसल, प्रेम चंद सिंगला, बृजभूषण, जिला बाल कल्याण समिति गुरदेव, रितू सिंगला, पुरुषोत्तम शर्मा, सीडीपीओ शशि बाला, काउंसलर राजबीर सिंह, अमरजीत सिंह, मोनिका बंसल, कंचन मदान, नरेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

समाधान शिविरों की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर करें निपटारा: डीसी अपराजिता

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी अपराजिता के मार्गदर्शन में समाधान शिविर का आयोजन किया गया, इसमें जिला प्रशासन के अधिकारियों ने आमजन की शिकायतें सुनी। शिविर के दौरान परिवार पहचान पत्र, कृषि, पुलिस आदि से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई।

डीसी अपराजिता ने अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए कहा कि सभी अधिकारी समाधान शिविर में प्राप्त होने वाली शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा करे। शिकायत निवारण की प्रक्रिया में यह भी आवश्यक है कि शिकायतकर्ता समाधान से पूरी तरह संतुष्ट हो। समाधान शिविर केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि जनता और प्रशासन के बीच विश्वास को मजबूत करने का सशक्त माध्यम है।

डीसी अपराजिता ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के निदेर्शानुसार नागरिकों की शिकायतों का एक छत के नीचे तुरंत निदान करने के उद्देश्य से हर सप्ताह के सोमवार व वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक जिला मुख्यालय के साथ साथ उपमंडल स्तर पर भी समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे है। नागरिक जिला मुख्यालय या संबंधित उपमंडल स्तर पर अपनी समस्या रख सकते है, जिन पर तुरंत कार्यवाही करते हुए समाधान करवाया जाएगा।

उन्होंने शिविर में हर समस्या का गंभीरता के साथ सुना जाता है और मौके पर ही सम्बन्धित विभाग के माध्यम से समस्या का समाधान भी किया जाता है। समाधान शिविर में आने वाले शिकायतों की निगरानी स्वयं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कर रहे हैं। प्रदेश स्तर पर गठित टीम हर शुक्रवार को इन शिकायतों पर सभी जिलों के साथ समीक्षा भी करती है।

इस अवसर पर एसडीएम गुरविंद्र सिंह, डीएसपी सुशील प्रकाश सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

आवश्यक सूचना

तेजी से बढते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, **'संजना भारती'** को चंडीगढ़, पंचकुला सहित पूरा हरियाणा, पंजाब में जिला स्तर, तहसील स्तर, खंड स्तर पर पत्रकार/कोर्सपोंडेट/ प्रतिनिधि, जिला प्रभारी की जरूरत है।

संपर्क करें: दैनिक संजना भारती, समाचार पत्र नई दिल्ली
वाटसेप नम्बर: 9871221635

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए यातायात नियमों का पालन करें सभी आमजन: सचिव रामजी लाल

सड़क सुरक्षा माह के तहत रेडक्रॉस कार्यालय में आयोजित हुआ जागरूकता सेमिनार

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी अपराजिता के मार्गदर्शन में वीरवार को सड़क सुरक्षा माह के तहत जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। प्राथमिक चिकित्सा ग्रहण कर रहे प्रशिक्षणार्थियों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया।

सचिव रामजी लाल ने कहा कि सड़क पर वाहन चलाते समय यदि प्रत्येक व्यक्ति यातायात के नियमों का पालन करें तो सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। अत्याधिक धुंध /कोहरे में हमें सावधानी से वाहन चलाना चाहिए। वाहन चलाते समय हमें किसी भी प्रकार के नशे का सेवन नहीं करना चाहिए। सड़क सुरक्षा से दुर्घटनाएं कम होती है और मानव जीवन सुरक्षित रहता है। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक सिग्नल और यातायात नियमों का पालन करना आवश्यक है, गाड़ी चलाते समय हमेशा सीट बेल्ट और दोपहिया वाहन पर हेलमेट का उपयोग करना चाहिए, निर्धारित गति सीमा का पालन करें और तेज रफ्तार से बचें। सड़क पार करते समय हमेशा सतर्क और सावधान रहें। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाएं न केवल व्यक्तिगत स्तर पर प्रभाव डालती है, बल्कि उनका असर परिवार और समाज पर भी गहराई से पड़ता है। जब किसी दुर्घटना में किसी की जान जाती है, तो परिवार आर्थिक और भावनात्मक रूप से कमजोर हो जाता है। इसलिए सुरक्षित सड़क और यातायात नियमों का पालन करना एक स्वस्थ और खुशहाल समाज की नींव रखने में महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर बसाउ राम, विजय, पवन कुमार, रामपाल, रतनलाल, महिपाल आदि मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

निविदा आमंत्रण सूचना

कार्य का नाम और इसकी स्थिति :–	**52-SRDEE-G-DLI-2025-26** दिल्ली डिवीजन में त्योहारों की भीड़ प्रबंधन, आधिकारिक समारोहों और अन्य त्योहारों (स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस आदि) के दौरान अस्थायी प्रकाश व्यवस्था/ वेंटिलेशन व्यवस्था और संबंधित विद्युत कार्य, जिसमें स्टेशनों और सेवा भवनों की अग्रभाग प्रकाश व्यवस्था और बिजली आपूर्ति बैकअप व्यवस्था शामिल है, किराये के आधार पर उपलब्ध हैं।
निविदा की अनुमानित लागतः–	रू0 1,73,29,200.00
कार्यालय का पताः–	वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियन्ता/जी, स्टेट एंट्री रोड नई दिल्ली
बयाना राशिः–	रू0 2,36,700.00
निविदा निवेदन की दिनांक व समयः–	05.02.2026, 16–00 बजे
निविदा खोलने की दिनांक व समयः–	05.02.2026, 16–00 बजे
वेब साइट व नोटिस बोर्ड :–	www.ireps.gov.in वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियन्ता/जी, नई दिल्ली 162/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता का किया आयोजन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा खंड स्तर पर डीएवी पब्लिक स्कूल के प्रांगण में ग्रामीण महिला खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस दौरान 100 मीटर दौड़, 300 मीटर दौड़, 400 मीटर दौड़, साईकिल रेस, डिस्कस थ्रो व म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता में महिलाओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के तौर पर डब्लयूसीडीपीओ रजनी राणा व स्वास्थ्य विभाग से डॉ. संतोष ने शिरकत की। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सुपरवाइजर सुनीता ,सुपरवाइजर सुमन, शीला अकाउंटेंट व पीटीआई ममता बिसला का विशेष सहयोग रहा। प्रतियोगिता में 400 मीटर दौड़ में सविता सालवन, सोनिया राहडा व मुस्कान ठरी तथा डिस्कस थ्रो में लक्ष्मी मोरमाजरा, अनीता असंध व नीलम जलमाना ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल किया।

प्रतियोगिता में विजेताओं को प्रशस्ति पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। डब्लयूसीडीपीओ ने कहा कि खेलकूद न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है, बल्कि मानसिक विकास और सामाजिक सहभागिता को भी मजबूत करता है। उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में बढ़ चढ़कर भाग ले। इस अवसर पर फार्मासिस्ट वंशिका, सुपरवाइजर सुमन मलिक, सुपरवाइजर शकुंतला, सुपरवाइजर हिमांशी, सुपरवाइजर पुनम, सुपरवाइजर निशा सहित अन्य मौजूद रहे।

उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम की बैठक 20 जनवरी को: सोमबीर भालोठिया

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के अधीक्षक अभियंता सोमबीर भालोठिया ने बताया कि बिजली उपभोक्ताओं का शीघ्र निपटारा करने के लिए उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम की बैठक यूएचबीवीएन कार्यालय कैथल के सभागार में 20 जनवरी को आयोजित की जाएगी। इस बैठक की अध्यक्षता फोरम के अध्यक्ष योग राज करेंगे। इस बैठक में सुबह 11 बजे से दोपहर बाद 2 बजे तक बिजली उपभोक्ताओं की समस्याएं सुनी जाएंगी। इस बैठक में बिजली संबंधित समस्याएं जो स्थानीय अधिकारियों (एसडीओ/ एक्सईएन) से मिलने उपरांत भी कोई समाधान नहीं हो पा रहा, ऐसे सभी उपभोक्ता अपनी समस्याओं को इस बिजली अदालत के समक्ष रख सकते हैं।

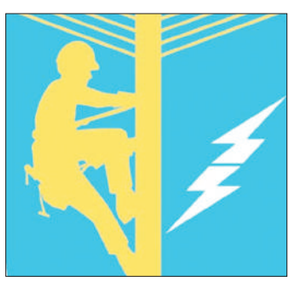

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रोनिक निविदा ई प्रणाली के अन्तर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली–110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये ई–निविदा आमंत्रित की जाती है :–

क्र0 सं0	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	08245719A	इंटीग्रेटेड पॉवर सप्लाई सिस्टम (आई पी एस)	192 नग	05-02-26
02	16253593	लेटरल डैम्पर	1100 नग	09-02-26
03	02251158B	स्क्रॉल कंप्रेसर थ्री फेज	217 नग	09-02-26
04	04250085	एक्सान एरापेन आर० बी० 320 ग्रीस	10920 कि० ग्रा०	16-02-26
05	07250305A	व्हील सेट अर्थिंग एकुप्मेंट	1139 नग	18-02-26
06	09262391	साइड बेयरर सीट डुली वेल्डेड विथ लाइनर	1188 नग	09-03-26
07	07251017A	लोवर स्प्रिंग सीट फॉर एक्सल	3300 नग	08-05-26
08	09262584	22.22 एम एम डाए लॉक बोल्ट (डाए कोड–इ)	40995 नग	11-05-26

निविदा शर्तें – 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।
टेंडर नोटिस सं. 79/2025–2026 दिनांकः–14.01.2026 147/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

हक देखने के बाद आलिया भट्ट बनीं यामी गौतम की फैन

आलिया भट्ट ने हाल ही में फिल्म हक देखी। आलिया को हक बेहद पसंद भी आई। जिसे लेकर आलिया ने आज अपने सोशल मीडिया हैंडल पर यामी के बारे में कुछ खास लिखा है और साथ ही यह भी बताया है कि वह अब उनकी फैन बन गई हैं। नेटफ्लिक्स पर आने के बाद कई बॉलीवुड सितारों ने हक को देखा और अपनी राय दी। आलिया से पहले कियारा आडवाणी ने भी यामी की तारीफ की थी। उन्होंने लिखा था, अभी नेटफ्लिक्स पर हक देखी, यामी गौतम, क्या शानदार परफॉर्मेंस थी। आलिया भट्ट ने यामी गौतम के अभिनय की बहुत तारीफ की है। आलिया ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, क्वीन यामी गौतम, हक में आप कला, दिल और सोने की तरह चमक रही हैं। यह मेरे अब तक के सबसे अच्छे महिला किरदारों में से एक है... जैसा मैंने फोन पर भी कहा था... मैं यामी की बहुत बड़ी फैन हूं और आपके आने वाले सभी कामों का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।

किसके बारे में है फिल्म हक?

फिल्म में यामी गौतम ने शाजिया बानो का किरदार निभाया है और इमरान हाशमी ने वकील की भूमिका की है। इसके अलावा वर्तिका सिंह, दानिश हुसैन, शीबा चड्ढा और परिधि शर्मा जैसे कलाकार भी हैं। निर्देशक सुपर्ण वर्मा हैं। फिल्म हक बॉक्स ऑफिस पर अच्छी चली। वहीं अब ओटीटी पर भी फिल्म को काफी पसंद किया जा रहा है। यह फिल्म 2025 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह एक कोर्टरूम ड्रामा है, जो सुप्रीम कोर्ट के एक बड़े फैसले से प्रेरित है। दर्शकों और समीक्षकों को यह फिल्म बहुत पसंद आई।

विवेक ओबेरॉय के साथ सुर्खियों में आईं श्रेया शर्मा

अभिनेत्री श्रेया शर्मा, जिन्होंने हाल ही में मस्ती 4 में अपने अभिनय से दर्शकों का ध्यान खींचा, अब अपने करियर की एक बड़ी छलांग के लिए तैयार हैं। श्रेया जल्द ही फिल्म मिस्टर एंड मिसेज ग्रे में फीमेल लीड के रूप में नजर आएंगी, जहां वह पहली बार विवेक ओबेरॉय के साथ स्क्रीन साझा करेंगी। इस घोषणा के साथ ही फिल्म को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है, जो श्रेया के अभिनय सफर में एक नए और रोमांचक अध्याय की शुरुआत मानी जा रही है। अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और लगातार बदलते, चुनौतीपूर्ण किरदारों के चयन के लिए पहचानी जाने वाली श्रेया की मिस्टर एंड मिसेज ग्रे में कास्टिंग इस बात का संकेत है कि वह अब और अधिक गहराई व परफॉर्मेंस-ड्रिवन प्रोजेक्ट्स की ओर बढ़ रही हैं। यह फिल्म जटिल रिश्तों और भावनात्मक उतार-चढ़ाव की पड़ताल करने वाली बताई जा रही है, जिसमें श्रेया का किरदार अनुभवी अभिनेता विवेक ओबेरॉय के साथ एक अहम भूमिका निभाएगा। प्रोजेक्ट को लेकर बात करते हुए श्रेया शर्मा ने इस फिल्म की अपने लिए अहमियत पर एक भावुक और विस्तार से भरा नोट साझा किया। मिस्टर एंड मिसेज ग्रे मेरे पास उस समय आई, जब मैं जानबूझकर ऐसा किरदार तलाश रही थी जो मुझे भावनात्मक और रचनात्मक रूप से चुनौती दे। विवेक ओबेरॉय के साथ काम करना एक अद्भुत सीखने का अनुभव है—वह हर सीन में गहराई और सच्चाई लेकर आते हैं। कहानी तीव्र, वास्तविक और बेहद परतदार है, और मेरा किरदार एक शक्तिशाली भावनात्मक सफर से गुजरता है। मैं निर्माताओं की आभारी हूं कि उन्होंने मुझ पर इतना मजबूत किरदार निभाने का भरोसा किया, और मुझे पूरा विश्वास है कि दर्शक इस फिल्म से गहराई से जुड़ेंगे। इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का मानना है कि मिस्टर एंड मिसेज ग्रे श्रेया शर्मा के करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हो सकती है, जो उन्हें एक उभरती हुई प्रमुख अभिनेत्री के रूप में स्थापित करेगी। मस्ती 4 ने जहां उन्हें लोकप्रियता दिलाई, वहीं यह नई फिल्म उनके अभिनय को ठोस आधार देने वाली है। जैसे-जैसे मिस्टर एंड मिसेज ग्रे को लेकर उत्सुकता बढ़ रही है, सभी की नजरें अब श्रेया शर्मा पर टिकी हैं—एक ऐसी अभिनेत्री जो साफ तौर पर अपने करियर के अगले स्तर में कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार है।

प्यार में धोखे मिलने के बाद रिश्तों को लेकर क्या सोचती हैं रश्मि देसाई?

टीवी सीरियल उतरन में तपस्या ठाकुर बनकर फेमस होने वाली रश्मि देसाई अपने नए चैट शो रश्मि दिल से दिल तक को लेकर छाई हुई हैं। अभिनेत्री का शो टीवी स्टार्स के निजी जीवन के बारे में दर्शकों को गहराई से बताएगा, लेकिन असल जिंदगी में खुद इतने सारे धोखे खाने के बाद प्यार और शादी के बारे में रश्मि की राय काफी अलग है। अभिनेत्री का कहना है कि अगर वो किसी के साथ इमोशनली इंवॉल्व होती हैं, तो अपना सब कुछ दे सकती हैं। एक्टर नंदीश संधू से टूटी शादी और कई लड़कों को डेट करने के बाद भी रश्मि देसाई आज भी सही पार्टनर की तलाश में हैं। अभिनेत्री ने खास बातचीत में प्यार, शादी और रिश्ते पर चर्चा की। कपल के बीच के इमोशंस पर बात करते हुए रश्मि देसाई ने कहा कि मैं बहुत प्रैक्टिकल इंसान हूं और मुझे क्रैक कर पाना बहुत मुश्किल है। अगर मैं किसी के साथ इमोशनल पार्ट पर जुड़ी तो उसे अपना दिल, जायदाद, घर और पैसा सब कुछ दे दूंगी क्योंकि मेरे लिए इंसान मैटर करता है, लेकिन अब इतने धोखे खाने के बाद मैंने किसी को अपनी तरफ आने की इजाजत नहीं दी है, लेकिन कहते हैं कि भगवान कोई न कोई रास्ता दिखा ही देता है। इस शो के दौरान मैंने समझा है कि रिश्ता दो लोगों के बीच का होता है, सबका नहीं होता है। रश्मि देसाई ने कहा कि उन्होंने ये भी सीखा कि काम और पर्सनल लाइफ को हमेशा अलग रखना चाहिए। अब मैंने अपने इमोशन को काम में शिफ्ट कर दिया है और मुझे काम करना बहुत पसंद है और ये मुझे हील करने का काम करता है और मेरा हैप्पी प्लेस है।

आने वाली फिल्म के जरिए संवेदनशील मुद्दों को सामने ला रही हैं श्वेता त्रिपाठी

समाज को आईने की तरह दिखाने वाली फिल्मों की एक अलग ही अहमियत होती है। ऐसी फिल्मों में केवल मनोरंजन ही नहीं, बल्कि समाज के उन मुद्दों को सामने लाने की हिम्मत होती है, जिन पर आम तौर पर लोग चुप रहते हैं। अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अपनी आने वाली फिल्म पलकों पे के जरिए इन संवेदनशील मुद्दों को सामने ला रही हैं। श्वेता त्रिपाठी ने शूटिंग के अनुभव को साझा किया और उसे चुनौतीपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, शूटिंग लगातार कई दिनों तक चली। यह लंबा शेड्यूल था। इस थकान भरे सफर ने पूरी टीम को और करीब ला दिया। कलाकारों और तकनीकी टीम के बीच जो समझ और भरोसा बना, वह फिल्म में दिखाई देगा। शूटिंग के दौरान एक-दूसरे की मदद करना सभी के लिए एक नई ऊर्जा बन गया। पलकों पे को लेकर श्वेता ने कहा, मुझे फिल्म की कहानी ने सबसे ज्यादा आकर्षित किया। फिल्म उन सवालों का सामना करती है जिनसे समाज अक्सर आंखें मूंद लेता है। तलाक, लैंगिक समानता, यौन पहचान और मानसिक स्वास्थ्य जैसे मुद्दे इस फिल्म में सीधे और ईमानदारी से उठाए गए हैं। ये वे विषय हैं जिन पर लोग आमतौर पर बात करना पसंद नहीं करते। इस फिल्म में बिना झिझक इन मुद्दों को प्रभावशाली तरीके से पेश किया गया है।

उन्होंने कहा, फिल्म के निर्देशक निधिश पुझक्कल ने इसे और भी खास बनाया है। उनका अंदाज अलग है। वह हर सीन, हर खामोशी और हर भावना को एक मनोवैज्ञानिक नजरिए से देखते हैं। ऐसे निर्देशन में काम करना एक अभिनेता का सपना होता है। इससे कलाकार अपने किरदार की गहराई में उतर सकता है और हर सीन में पूरी सच्चाई ला सकता है। उनका यह दृष्टिकोण फिल्म को केवल कहानी नहीं, बल्कि अनुभव बनाता है। श्वेता के अलावा फिल्म में अभिषेक चौहान और ईशान नकवी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

श्वेता ने सह कलाकारों के साथ काम करने के अनुभव के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, अभिषेक और ईशान दोनों ही बेहद ईमानदार और समर्पित कलाकार हैं। इस समर्पण ने मुश्किल और लंबे दिनों को भी सार्थक बना दिया। सभी ने पूरी मेहनत और दिल से काम किया, जिससे फिल्म का हर सीन प्राकृतिक और प्रामाणिक नजर आता है।

5 करोड़ की एलिमनी पर माही विज ने तोड़ी चुप्पी

हाल ही में टीवी के फेमस कपल में शुमार जय भानुशाली और माही विज ने अपने तलाक की घोषणा की। कपल ने एक ज्वाइंट स्टेटमेंट जारी कर फैंस को सेपरेट होने की बात बताई थी। ज्वाइंट स्टेटमेंट के बाद भी दोनों के फैसले, तलाक की एलिमनी और बच्चों को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। अब माही विज ने इन सभी सवालों के जवाब दिए हैं। एक्ट्रेस ने अपने हालिया यूट्यूब व्लॉग में इन पर बात की है। माही ने अपने इस व्लॉग को 'प्लीज स्टॉप इट' कैप्शन दिया है। वो कहती हैं- 'हां, मैं जय से अलग हो गई हूं। हमारा तलाक हो गया है लेकिन हम अच्छे दोस्त रहेंगे। हम दोनों ऐसे बने हैं कि हमें पीसफुल लोग हैं। हमें ड्रामा, झगड़े या गंदगी पसंद नहीं है। हमने आपसी सहमति से यह फैसला किया और अलग-अलग रास्ता अपनाया। हमारे लिए यही सही था।'

नफरत भरे कमेंट्स पर रिएक्शन देते हुए माही ने कहा- मैं कमेंट सेक्शन में बहुत कुछ पढ़ रही हूं। लोग पूछ रहे हैं कि हमने बच्चे क्यों गोद लिए, हमारे बच्चे क्यों पैदा किया? हमारा बैंक अकाउंट खाली नहीं है। हम अपने बच्चों की देखभाल कर सकते हैं। और ऐसा भी नहीं है कि जय अपनी जिम्मेदारियों से भाग गया हो या मेरे पास कुछ भी न हो। हमारे तीनों बच्चे पहले की तरह ही अपनी जिंदगी जीते रहेंगे। ये बच्चों के लिए अच्छी बात है। वो देखेंगे कि अगर कोई चीज काम नहीं कर रही तो इसका ये मतलब नहीं है कि तोड़ने के समय गंदगी फैलाएं। या कोर्ट-कचहरी में एक-दूसरे को घसीटो। मुझे लगता है कि मेरे बच्चे मुझे पर और जय पर प्राउड फील करेंगे। वहीं, तलाक की घोषणा के बाद दावा किया जा रहा था कि माही ने 5 करोड़ की तलाक एलिमनी मांगी है। इस दावे पर बात करते हुए माही ने कहा- 'मैं इंस्टाग्राम पर देख रही थी कि लोग लाइक और कमेंट के लिए कह रहे हैं कि माही ने 5 करोड़ की एलिमनी ले ली। ये बहुत दुखद है। आधी जानकारी में कुछ भी मत करिए। हमारे पुराने वीडियो निकालकर, कयास लगाए जा रहे हैं। हमने तो कुछ किया नहीं, आप लोगों ने पूरी गंदगी फैला दी। इसकी जरूरत नहीं। माही ने अपने व्लॉग में उनलोगों को भी लताड़ लगाई है, जो उनके फैसले के ड्रामा बता रहे हैं। एक्ट्रेस ने कहा- 'कोई ड्रामा नहीं है। किसी को तलाक लेना अच्छा नहीं लगता है। ऊपर वाला ना करें कि तुमलोगों के घर में ऐसा हो। जिस पर बीतती है, उसे पता है। हमारी इंडस्ट्री में तलाक लेना कोई मजाक नहीं बना है। बाहर भी तलाक हो रहा है। हर जगह तलाक हो रहा है। हमने ने इज्जत के साथ रिश्ते से निकलने का फैसला किया है, छोटे शहरों की लड़कियां बॉयफ्रेंड के लिए मर्डर कर दे रही हैं। आपलोग क्या बात कर रहे हैं?'

शादी मेरे लिए तीन दिन की पार्टी थी और वो हो गई

इस साल शादी के रिश्ते में बंधी यूट्यूबर टर्न ऐक्ट्रेस प्राजक्ता कोली अपनी फिल्म जुग जुग जियो से लेकर वेब सीरीज मिसमैच्ड और अब सिंगल पापा तक में वुड बी ब्राइड यानी होने वाली दुल्हन के किरदार में दिखीं। ऐसे में, स्क्रीन वाली शादी से लेकर असल जिंदगी में शादी के रिश्ते को लेकर प्राजक्ता से हमने की ये बातचीत

वेब सीरीज मिसमैच्ड की डिंपल के रूप में ऐक्टिंग करियर शुरू करने वाली यूट्यूबर टर्न ऐक्ट्रेस प्राजक्ता कोली फिल्म जुग जुग जियो से लेकर हालिया सीरीज सिंगल पापा तक में शादी की तैयारी में जुटी दुल्हन के किरदार में दिखाई दीं। वहीं, इस साल वह असल जिंदगी में भी लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड वृशांक खलान की दुल्हनिया बन गईं। ऐसे में, स्क्रीन पर बार-बार लहंगा पहनने के अनुभव पर प्राजक्ता ने बताया कि वैसे तो उन्हें लहंगे में रेडी होने में बड़ा मजा आता है, लेकिन एक शो की शादी वाले लहंगे से उन्हें इतनी नफरत हो गई थी कि वह उसे जला देना चाहती थीं।

उस लहंगे से नफरत हो गई थी

बकौल प्राजक्ता, मुझे लहंगे से दिक्कत नहीं है। लहंगा पहनकर मजा ही आता है, मगर सिंगल पापा वेब सीरीज हमने जहां शूट की, वहां थोड़ी दिक्कत हुई। यह सीरीज हमने रणथंभौर में मई की गर्मी में 48 डिग्री तापमान में शूट किया। हालांकि, इसमें भी मेरा लहंगा बहुत सुंदर है पर आखिर तक मुझे उससे इतनी नफरत हो गई थी कि मैंने हमारे कॉस्ट्यूम डिजाइनर को बोला था कि क्या पैकअप के बाद मैं इसे जला सकती हूं। मुझे इसे इतनी नफरत है कि मुझे इसे जलाकर इसके इर्द गिर्द नाचना है, वरना बाकी सब मजेदार था।

शादी बहुत खूबसूरत अहसास

वहीं, असल जिंदगी में शादी के बाद क्या खास और अलग महसूस कर रही हैं? इस बारे में वह बताती हैं, शादी मेरे लिए तीन दिन की पार्टी थी और वो हो गई। मैं मेरे पार्टनर वृशांक के साथ पिछले 14 साल से हूं तो पहले 13 साल हमने जिस चीज को बिल्ड किया था, अब उसे इंजॉय कर पा रहे हैं क्योंकि इतने सालों में पहली बार हम साथ रहे रहे हैं। मेरे लिए तो शादी के बाद के ये पिछले नौ-दस महीने बहुत खूबसूरत रहे हैं। मेरे लिए शादी एक खूबसूरत अहसास है क्योंकि मुझे ऐसा शख्स मिला जिसके साथ मैं बहुत खुश हूं। हमने साथ में समय लिया, फिर इस साल की शुरुआत में हमने शादी की।

पैरंट्स के साथ न रहना खलता है

वहीं, शादी के बाद के बदलावों पर प्राजक्ता आगे कहती हैं, शादी के बाद अगर किसी बदलाव से मैं जूझ रही हूं तो वो यह है कि मैं अपने मम्मा-पापा के साथ नहीं रहती। मेरे लिए वह सबसे मुश्किल बात थी। बाकी के बदलावों को तो वृशांक ने मेरे लिए बहुत आसान बना दिया लेकिन अपने पैरंट्स से अलग रहना मेरे लिए बहुत मुश्किल रहा है। वहीं, शादी को पुरानी संस्था करार देने के सवाल पर उनका कहना है, यह हर इंसान के निजी अनुभव और सोच पर निर्भर करता है। मुझे नहीं लगता कि कोई यंग लड़का या लड़की यह सोचता/सोचती होगी कि मुझे इसलिए शादी नहीं करनी क्योंकि यह एक पुरानी संस्था हो चुकी है। यह बेशक हो सकता है कि उसने अपने घर पर ऐसा कुछ देखा हो, जिससे वह इस रिश्ते में न पड़ना चाहे या उसे ऐसा कोई मिला नहीं, मगर मुझे लगता है कि इस सोच को जनरलाइज करना सही नहीं है।

मराठी फिल्म करने का सपना हुआ पूरा

नए साल में प्राजक्ता की एक पुराना सपना भी सच होने जा रहा है, जिसे लेकर वह खासी उत्साहित हैं। वह बताती हैं, 12 साल पहले जब मैं कॉलेज में थी, तब मराठी थिएटर करती थी। मैंने महाराष्ट्र और पूरे देश में करीब 150 शोज किए थे। इजरायल में भी हमने शो परफॉर्म किया था, लेकिन रेडियो में काम शुरू करने के बाद मैंने वह बंद कर दिया था। हालांकि, मेरा तब से मन था कि मैं कभी मराठी फिल्म करूं क्योंकि वो मेरी मातृभाषा भी है। इस साल के पहले दिन ही मेरी पहली मराठी फिल्म रिलीज हो रही है, जिसके लिए मैं बहुत एक्साइटेड हूं।